

विख्यात चित्रकार सैयद रजा ने किया भारत भवन में 'रंगायन' द्वारा आयोजित चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन

भारत भवन की पहचान वापस दिलानी है

भारत भवन को संवारना है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसकी पहचान इसे वापस दिलानी है। यहां प्रदर्शित की गई चित्रकृतियों में कुछ अच्छी हैं और कुछ बहुत अच्छी...। कुछ ऐसी हैं, जो अभी बनने की प्रक्रिया में हैं। सीनियर-जूनियर सभी के चित्रों को एक जगह देखकर काफी प्रसन्नता हुई। यह बात विख्यात चित्रकार सैयद रजा ने भारत भवन में 'रंगायन' द्वारा आयोजित चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कही।

जागरण सिटी

भारत भवन में मंगलवार को चित्रकारों का उत्सव था। मौका था विश्वविख्यात चित्रकार सैयद हैदर रजा के भोपाल आगमन का। शहर के वरिष्ठ चित्रकारों से लेकर संघर्षशील चित्रकार और बड़ी संख्या में चित्रकला के छात्र इस अवसर पर उपस्थित थे। 1978 से 30 साल के

अंतराल के बाद दूसरी बार भोपाल आए रजा का भारत भवन के प्रति प्रेम और स्नेह वैसा ही था, जैसा कि पहली बार आने पर था।

रंगायन द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन करते समय रंगों के महारथी और फिलहाल पेरिस में निवासरत रजा ने कहा कि मैं आप सबका आभारी हूं, जिनके कारण एक बार फिर भारत भवन को देखना

संभव हो सका। उन्होंने कहा कि मैं केवल चित्रों में दिलचस्पी रखता हूं और किसी चीज से मुझे मतलब नहीं। प्रदेश के चित्रकार अच्छा काम कर रहे हैं।

युवा चित्रकारों को मार्गदर्शन देते हुए उन्होंने कहा, कि शुरुआती दौर में अपने कार्यों में पैसा नहीं, पवित्रता दूढ़ें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यहां के युवा चित्रकार निजी खोज



प्रदर्शनी का अवलोकन करते सैयद रजा।

करेंगे एवं अपने चित्रों को और समृद्ध बनाएं। चित्रकला की लोकप्रियता पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि पहले संगीत और नृत्य पसंद किया जाता था और अब कला।

प्रदर्शनी में अखिलेश, देवीलाल पाटीदार, हरचंदन सिंह भट्टी, एलएम भांड, एलएन भावसार, सच्चिदा नागदेव, शोभा घाड़े और सुरेश चौधरी जैसे वरिष्ठ चित्रकारों के साथ लगभग तीन दर्जन चित्रकारों की चित्रकृतियों का प्रदर्शन किया गया है। यह प्रदर्शनी 6 फरवरी तक भारत भवन के रंग दर्शनी में चलेगी और जनता के लिए दोपहर दो बजे से आठ बजे तक अवलोकनार्थ खुली रहेगी।